केंद्र शाषित प्रदेशों दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली के स्थापना दिवस पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 25 जनवरी 2024, गुरुवार	समय : 3.30 PM	स्थान : राजभवन, असम

नमस्कार !

आप सभी को केंद्र शाषित प्रदेशों दमन एवं दीव और दादारा एवं नगर हवेली की स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं।

हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की महत्वकांक्षी परियोजना "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत राजभवन, असम शुरू से ही संकल्पबद्ध होकर अन्य राज्यों एवं केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाने की स्वस्थ परम्परा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है।

आज पुनः दो संयुक्त केंद्र शाषित प्रदेशों दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली का स्थापना दिवस मनाने के लिए उपस्थित हुए हैं।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली दो अलग-अलग केंद्र शाषित प्रदेश थे। माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने सरकारी कामकाज की दक्षता को बढ़ाने के लिए 26 नवंबर 2019 को लोकसभा में दमन एवं दीव और दादरा एंव नगर हवेली के विलय के लिए विधेयक पेश किया था।

संसद द्वारा इस विधेयक को मंजूरी दे दी गई और 26 जनवरी 2020 को इन दोनों केंद्र शाषित प्रदेशों का विलय हो गया। इसलिए 26 जनवरी को हम इन दोनों केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाते हैं। लेकिन कल गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में व्यवस्तता के कारण हम आज इन दोनों केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मना रहे हैं।

इतिहास के दृष्टिकोण से देखें तो दोनों ही केंद्र शासित प्रदेशों पर लंबे समय तक पुर्तगाल का कब्जा रहा था। वर्ष 1961 में आजादी मिलने के बाद दमन व दीव वर्ष 1987 तक गोवा का हिस्सा रहा। 1987 में गोवा को राज्य का दर्जा मिलने के बाद वह अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गया।

दो अगस्त 1954 को आजाद होने के बाद दादरा व नगर हवेली में वर्ष 1961 तक स्थानीय निकाय का प्रशासन रहा। वर्ष 1961 में भारत में विलय के बाद उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था।

पर्यटन की दृष्टि से ये दोनों केंद्र शाषित प्रदेश अपने ऐतिहासिक और समृद्ध धरोहर, कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के मनमोहक वातावरण लोगों को आकर्षित करते हैं।

दमन मुख्य भूमि पर स्थित है, जबकि दीव भारत के पश्चिमी तट का ठण्डी हवाओं का एक छोटा और सुन्दर द्वीप है। यहाँ वर्ष भर रहने वाली सुखद जलवायु प्रत्येक मौसम में इसे पर्यटन का केन्द्र बनाती है।

अरब सागर की गोद में स्थित दीव में ऐतिहासिक पुर्तगाली स्मारक, स्वर्णिम समुद्र तट, प्रदूषण रहित नीला जल है, जिसके कारण वर्ष भार यह पर्यटन का केन्द्र बना रहता है।

वहीं दमन गंगा नदी के मुहाने के निकट स्थित अरब सागर से मिलने वाला दमन आपके सपनों का पर्यटन स्थल हो सकता है। इसका प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों को अपने आकर्षण से यहाँ खींच लाता है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है। हम यह भी जानते हैं कि हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है विविधता में एकता। हमारे प्रदेश सांस्कृतिक रूप से एक है, यही हमारी ताकत है, यही हमारी पहचान है।

इसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानो-बानो, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा हुआ है। लोगों की आपसी समझ की भावना ने विविधता में एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है। इसे भविष्य में पोषित करने की आवश्यकता है।

इसी दृष्टिकोण से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दिशा-निर्देश पर देश भर में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” का कार्यक्रम चलाया जा रहा है और लोगों को अन्य प्रदेशों की समृद्ध कला-संस्कृति, इतिहास के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

मेरा मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह राष्ट्र की संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आजादी के इस अमृत काल में यह कार्यक्रम निश्चित रूप से विकसित भारत की नींव को मजबूत होगा।

अंत में पुनः दोनों केंद्र शाषित प्रदेशों के स्थापना दिवस के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।